

16-10-17

पत्रावली पेश हुई। वकील वादी/
प्रतिवादी उपस्थित/अनु. पीठासीन
अधिकारी राज. कार्य से मीटिंग/
शिविर मुख्यालय से बाहर है
पत्रावली पूर्ववत् दि०... 6/12/17
को पेश हो।

6/2/17

पत्रावली पेश हुई। वकील वादी/
प्रतिवादी उपस्थित/अनु. पीठासीन
अधिकारी राज. कार्य से मीटिंग/
शिविर मुख्यालय से बाहर है
पत्रावली पूर्ववत् दि०... 6/2/18
को पेश हो।

6/2/18

पत्रावली पेश हुई, वकील वादी/प्रतिवादी
उपस्थित। पीठासीन अधिकारी के राजकार्य
में व्यस्त होने से प्रकरण में सुनवाई नहीं
हो सकी। पत्रावली पूर्ववत् दिनांक-----
4/4/18-----को

पेश हो। पुनश्च पत्रावली दि० 14/5/18 को केवल
गठेपान में पेश हो।

14/5/18

पत्रावली लोक अदालत केम्प गठेपान में पेश हुई। वादी की ओर
से उक्त वाद जरिये मुख्तार आम घनश्याम कुशवाह द्वारा पेश
किया गया, जिसमें ग्राम गठेपान स्थित पुराने ख०नं० 191 रकबा 1
बीघा 2 बिस्वा भूमि निजी वन हेतु प्रहलाद सिंह चढ्ढा को आवंटन
की गई थी, किन्तु दौरानें सेटलमेंट उक्त भूमि के नवीन ख०नं०
257 रकबा 2.04 हे० भूमि सिवायचक दर्ज कर दी गई एवं वर्तमान
में ख०नं० 253/364 रकबा 0.85 हे० भूमि प्रतिवादीगण की
खातेदारी में दर्ज है, जिसे हटाया जाकर वादी की खातेदारी में
दर्ज करने की घोषणा चाही गई है। प्रस्तुत वाद में जवाब सरकार
प्राप्त हुआ, जिसे शा० मि० किया गया। जवाब सरकार में
उल्लेखित किया गया है कि मौके पर आवंटित भूमि पर वादी का
कब्जा नहीं है, उक्त भूमि निजी वन हेतु आवंटन की गई थी किन्तु
आवंटी द्वारा आवंटन की शर्तों की पालना नहीं की गई और ना ही
इस भूमि पर वादी (आवंटी) द्वारा वन आदि का विकास किये जानें

तारीख
हुक्म

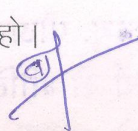
हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

2016/0221

नम्बर
जो
तामील

से आगें नवीनीकरण नहीं किया गया है। इसलिए आवंटी को खातेदारी अधिकार प्रदान नहीं किये जा सकते हैं।

पत्रावली का अवलोकन किया गया तथा दस्तावेजी साक्ष्य एवं जवाब सरकार के अनुसार आवंटी/वादी द्वारा अवंटन की शर्तों की पालना नहीं किये जानें से खातेदारी/गैर खातेदारी अधिकार प्रोद्भूत नहीं होने से वाद वादी खारिज किया जाता है। तदनुसार डिक्री जारी हो। निर्णय मजमें आम में सुनाया गया। पत्रावली फ़ैसल शुमार होकर दाखिल दफ्तर हो।

 (स. 21.10.16)